।। वरिष्ठ लघुकथाकार सम्मान –श्री नन्दलाल भारती को।।

इंदौर/ इण्डियन सोसायटी आफ आथर्स ;इंसाद्ध के आजीवन सदस्य एवं म.प्र.इंदौर चैप्टर के सचिव श्री नन्दलाल भारती के उपन्यासो,कहानियों लघुकथाओ एवं कवितओं में आम आदमी की पीड़ा एवं संघर्ष साफ झलकता है। जिस कारणबस इस रचनाकार को आमआदमी, शोषित / पीड़ितजनों का साहित्यकार कहा जाने लगा है । श्री भारती का जन्मस्थान आजमगढ ।उत्तर प्रदेश। भले ही है पर वे अपना साहित्यिक परचम् कर्मस्थली इंदौर से फहरा रहे है । वे इसे अपना सौभाग्य कहते है ।

श्री भारती दर्जन से अधिक पुस्तके लिख चुके है । श्री भारती एक ब्लाग लेखक भी है, इनका अधिकतर साहित्य अर्न्तजाल पर उपलब्ध है । इस रचनाकार के साहित्यिक अवदान के लिये देश की अनेक साहित्यिक एवं शैक्षणिक संस्थाये सम्मानित / अभिनन्दित कर चुकी है । श्री नन्दलाल भारती के लघुकथा लेखन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिये द्विमासिक साहित्यिक पत्रिका, हम सब साथ–साथ, द्वारा दिनांक 23.10.2010 को गांधी शान्ति प्रतिष्ठान,नई दिल्ली के सभागार में आयोजित एक भव्य समारोह में वरिष्ठ लघुकथाकार सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह,प्रशस्ति पत्र, एवं पुस्तकें कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीया चित्रा मुदगल के कर कमल द्वारा प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्र–किंकर के प्रधान सम्पादक श्री विनोद बब्बर,डा.पूरन सिंह,किशोर श्रीवास्तव सहित देश के प्रतिष्ठित लघुकथाकार,मीडिया प्रतिनिधि एवं अनेक गणमान्य श्रोतागण उपस्थित थे ।